

उ०प० जावास एवं विकास परिषद की बैठक दिनांक 15.1.1992 को परिषद
कक्षा 104, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ में हुई वर्ष 1992 की प्रथम बैठक का
कार्यवृत्ति।

दिनांक 15.1.1992 की बैठक में निम्नलिखित उपस्थित थे :-

1१	श्री आर०एस० माथुर	मुख्य सचिव, जावास उत्तर प्रदेश शासन।	अध्यक्ष
2१	श्री शंकर अग्रवाल	विशेष सचिव, वित्त विभाग { वित्त सचिव के प्रतिनिधि }	सदस्य
3१	श्री जे०पी० भार्गव	मुख्य नगर एवं ग्राम्य नियोजक	सदस्य
4१	श्री सुधाकर शुक्ल	मुख्य सचिव/महानिदेशक { सौवर्जनिक उद्यम विभाग के प्रतिनिधि }	सदस्य
5१	श्री हरिशंकर चौरसिया	प्रबन्ध निदेशक, उ०प० जलनिगम लखनऊ के प्रतिनिधि	सदस्य
6१	श्री अतुल कुमार गुप्ता	जावास आयुक्त.	सदस्य
7१	श्री जे०एस० प्रसाद	अपर जावास आयुक्त एवं सचिव	सचिव

विशेष आगन्त्री के रूप में :-

8१	श्री सत०के० वर्मा	मुख्य अभियन्ता
9१	श्री आर०एस० दोहरे	मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी
3१	श्री सु०के० पवारजी	मुख्य वास्तुविद् नियोजक

बैठक में विचार विमर्श के पश्चात् निम्न मर्दानों पर सर्वसम्मति से निर्णय
लिया गया है :-

क्र०सं०	विषय	संकल्प संख्या	निर्णय
1	2	3	4
1१	दि० 17.9.91 के क्रम में दि० 5.10.91 को हुई तृतीय बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि।	1/११/92	दि० 5.10.91 को हुई बैठक के कार्य-वृत्त की पुष्टि की गई।
2१	परिषद की बैठक दि० 17.9.91 एवं 5.10.91 की अनुमोदन आख्या।	1/१२/92	सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि निम्न मर्दानों के अतिरिक्त शेष पर कार्य-वाही की गई/आदेश निर्गत कर दिए गये। 186१२१, 186१३१, 186१५१ एवं 186१६१ पर कार्यवाही की जा रही है।
3१	जोबरी पो०-बाराबंकी के सेक्टर-5 में प्रस्तावित 43नग दुआतव० 18/30 प्रकार भवनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।	1/१३/92	परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन किया गया।
4१	सिकन्दरा पो०-आगरा के सेक्टर-5 में स्वयं चिह्नित पोषित पो०-89 के अन्तर्गत प्रस्तावित 15नग टाइम-1, 57/200 प्रकार अभी निर्दिष्ट भवनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति हेतु प्रस्ताव।	1/१४/92	— तदैव —
5१	सिकन्दरा पो०-आगरा के सेक्टर-9 में स्व०चि०पो०-89 के अन्तर्गत प्रस्तावित	1/१५/92	— तदैव —

2	3	4
16] तिकन्दरा यो0-जागरा के से0-9 में स्व0वि0पी0ओ0-89 के अंतर्गत प्रस्तावित टाइप-2, 62/142 प्रकार, 9नग सेमी फिनिशड भवनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति हेतु प्रस्ताव।	1/86/92	परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन किया गया।
17] परिषद की रावली रोड, बिजनौर में प्रस्तावित 25नग टुओआ0व0 18/40 प्रकार भवनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत करने के सम्बन्ध में।	1/87/92	— तदैव —
18] झकोला यो0सं0-4, पथमचरण, मुरादाबाद में प्रस्तावित 58नग अ0आ0व0 26/40 प्रकार भवनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने का प्रस्ताव।	1/88/92	— तदैव —
19] तिकन्दरा यो0-जागरा के से0-5 में स्व0 वि0पी0ओ0-89 के अंतर्गत प्रस्तावित टाइप-3, 57/108 प्रकार के 13नग सेमी फिनिशड भवनों की प्रशा0 एवं वि0 स्वीकृति निर्गत हेतु प्रस्ताव।	1/89/92	— तदैव —
10] परिषद की हौसी यो0सं0-3, इलाहाबाद में प्रस्तावित 17नग टुओआ0व0 13/23 प्रकार भवनों की प्रशा0 एवं वि0 स्वीकृति निर्गत करने के सम्बन्ध में।	1/90/92	— तदैव —
11] शाहाबाद यो0सं0-1 में प्रस्तावित 20नग टुओआ0व0 18/30 प्रकार भवनों की प्रशा0 एवं वि0 स्वी0 निर्गत करने के सम्बन्ध में।	1/91/92	— तदैव —
12] डडको वित्तु पी0-3 योजनाओं में स्वीकृत षण की शर्तों के सम्बन्ध में।	1/92/92	— तदैव —
13] डडको द्वारा आप्रेशनल फाइनेन्स योजना में स्वीकृत षण की शर्तों के संबंध में।	1/93/92	— तदैव —
14] वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद के सृजन के संबंध में परिषद टिप्पणी।	1/94/92	संदर्भित शासनादेश केवल शासकीय कार्यालयों से संबंधित है। इसके अतिरिक्त इसी स्तर के अधिक पद प्रयुक्त संवर्ग को प्रस्ताव सं0-37 के निर्णय के अनुसार प्राप्त होगा। तदनुसार प्रस्ताव अस्वीकृत किया गया।
15] सहायक श्रेणी-तृतीय कर्मचारियों की वरिष्ठता के केंद्रीयकरण के संबंध में।	1/95/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
16] परिषद की कमलानगर आवासीय योजना में से0-7 के "ए0" ब्लॉक में निर्मित 224 दो मुजिले टुओआ0व0 भवनों में से 96नग भवनों में व्याप्त अवरताओं के सम्बन्ध में।	1/96/92	संशोधित रूप से पद सं0-54 पर प्रस्तुत होने के कारण वापस किया गया।
17] हौसी भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना सं0-3, इलाहाबाद के अंतर्गत गाम-हौसी कोहना के खतरा सं0-474 के संबंध में।	1/97/92	निर्मित क्षेत्रफी 82.4व0मी0 होते हूये 200 व0मी0 भूमि छोड़े जाने का क्या औचित्य है एवं सम्बद्ध भूमि किस मापदण्डों के अनुसार छोड़ी जाती है। इन विवरणों के साथ पुनः प्रस्तुत किया जाय।
18] परिषद की काशीपुर यो0सं0-2, काशीपुर में समाविष्ट श्री नैथु सिंह पुत्र श्री हरबहा सिंह की भूमि खतरा सं0-160 के संबंध में।	1/98/92	प्रस्ताव से यह स्पष्ट नहीं है कि निर्माण कब किया गया था व सम्बद्ध भूमि किस मापदण्ड के अनुसार छोड़ी जानी प्रस्तावित है। पूरे विवरण के अनुसार पुनः प्रस्तुत किया जाय।
19] सर्वश्री दयानन्द आदि गाजियाबाद की भूमि को परिषद की यो0सं0-3 आरक्षण	1/99/92	विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव

1	2	3	4
20	राजपुर भूमि विकास एवं गृहस्थान यो0-10-2, राजपुर के सम्बन्ध में।	1/20/92	विचार विमर्श के उपरान्त पुस्तक सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
21	बसुन्धरा यो0 सं0-3, गाजियाबाद में अशोक सहकारी/आवास/समिति लि0, गाजियाबाद की समाविष्ट भूमि को अर्जमुक्त/समायोजन के सम्बन्ध में।	1/21/92	पुस्तक में उल्लिखित शर्तों के सिद्धान्तों को स्वीकृति दी गई परन्तु शर्त सं0-3 में उल्लिखित दर विशेष पर परिषद कोई टिप्पणी नहीं करती है।
22	3050 आवास एवं विकास परिषद की सुनितराय भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना, वारीमसी को परित्याग किए जाने के सम्बन्ध में।	1/22/92	विचार विमर्श के उपरान्त पुस्तक सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया तथा निर्देश दिया गया कि आवास आयुक्त यह जांच कर लें कि यदि भूमि नीची थी, तो इसे पृथमतयः अर्जित ही क्या किया जा रहा था।
23	रजदेपुर यो0, गाजियाबाद में समाविष्ट खसरा सं0-160 की भूमि रकबा 17 वि0 8घर श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री गुण्णा माली के पक्ष में अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।	1/23/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से पुस्तक स्वीकृत किया गया।
24	अलीगंज रोड भूमि विकास एवं गृहस्थान यो0 सं0-5, काशीपुर-नैनीताल।	1/24/92	-- तदैव --
25	श्रीमती इन्द्रा गोपी की भूमि खसरा सं0-979 स्थित ग्राम-इत्याइलमैज, लखनऊ के सम्बन्ध में।	1/25/92	-- तदैव --
26	परिषद अधिकारियों/कर्मचारियों की ग्रेजुटी की सुविधा।	1/26/92	पुस्तक निम्न संशोधन के साथ सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया :- 1. परिषद ग्रेजुटी योजना में पेमेन्ट आफ ग्रेजुटी सबट 1972 के अनुसार देय लाभ ही दिये जायेंगे। 2. कर्मचारियों/अधिकारियों के दो प्रतिनिधि सदस्य होंगे। 3. योजना हेतु कोई अतिरिक्त कर्मचारी वर्तमान में नहीं दिये जायेंगे।
27	परिषद की पंचवटी कालोनी, सीतापुर में डा0 सतीश चन्द्र गुप्ता को आवंटित भूखंड सं0-बी0-13 के सम्बन्ध में।	1/27/92	पुस्तक विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
28	गदरपुर योजना में 50 नए लु0 आ0 व0 18/30 प्रकार के भवनों हेतु पुनर्निर्मित प्रशा-सैनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।	1/28/92	-- तदैव --
29	विज्ञापन में होने वाले व्यय हेतु अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।	1/29/92	पुस्तक विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। यह भी निर्देश दिये गये कि विज्ञापन जारी करने के विषय में जो नीति अपनाई जा रही है उसे परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाये।
30	परिषद के मस्टरोल/दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को वर्ष 90-91 के लिए संशोधित दर से अनुसूचित धनराशि के भुगतान के सम्बन्ध में।	1/30/92	सर्वसम्मति से संदर्भित प्रस्तावनादेश के अनुसार कार्यवाही करने हेतु स्वीकृति दी गई।
31	परिषद में लेखा एवं लिपिकीय संवर्ग के पृथकीकरण पदोन्नति एवं सेवा विनि-र्माचलियों में संशोधन।	1/31/92	पुस्तक सर्वसम्मति से इस संशोधन के साथ स्वीकृत किया गया कि सहायक लेखाधिकारी के पद पर प्रोन्नति हेतु लेखाकारों एवं लेखापरीक्षकों की आवश्यक पांच वर्ष की सेवा में कोई छूट नहीं दी जायेगी और यह भी आवश्यक होगा कि इस अनुभव में से न्यूनतम दो वर्ष का अनुभव खण्ड कार्यालय का हो।

1	2	3	4
32	माचिसाबाद में बसुन्धरा यो0 में स्थापित कार्यालयों में अधिकारी/कर्मचारी को विशेष धाड़न भत्ता दिए जाने के सम्बन्ध में।	1/32/92	प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया परन्तु लागू किये जाने से पूर्व शासन की स्वीकृति प्राप्त कर ली जाये।
33	परिषद में मस्टररोल/दैनिक वेतन पर कार्यरत डिप्लोमा होल्डर/सिविल/यांत्रिक का पदनाम अवर अभियन्ता करने के सम्बन्ध में।	1/33/92	विचार विमर्श के उपरान्त स्थगित किया गया।
34	तहायक लेखाकार एवं लेखाकार का पदनाम परिवर्तित करके क्रमशः लेखाकार एवं वरिष्ठ लेखाकार करने हेतु।	1/34/92	प्रस्ताव विचार विमर्श के उपरान्त अस्वीकृत किया गया।
35	स्व0श्री अमर नाथ सिन्हा, तहायक ड्रेग्गी-द्वितीय, नि0ख0-15, लखनऊ की विकासनगर योजना, लखनऊ में प्रोटेक्ट ओआओ भवन सं0सी-3/552 के विरुद्ध देय धनराशि का 50% माफ करने के सम्बन्ध में।	1/35/92	— तदैव —
36	परिषद में वरिष्ठतर अधिकारियों के साथ निजी सचिव के पदों के सृजन के सम्बन्ध में।	1/36/92	— तदैव —
37	परिषद में रिजत पदों को भरे जाने हेतु शासन की अनुमति प्राप्त करने के सम्बन्ध में।	1/37/92	विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
38	कार्यभारित बिजली मिस्त्री का वेतनमान पुनरांकित करार जाने के सम्बन्ध में।	1/38/92	प्रस्ताव पर विचार विमर्श हुआ। निर्णय न हो पाने के कारण अगली बैठक के लिए स्थगित किया गया।
39	विशेष शोध भत्ता दिए जाने के संबंध में।	1/39/92	विशेष शोध भत्ता किस कार्य के लिए दिया जा रहा है और संबंधित अधिकारी द्वारा क्या कार्य किया जा रहा है। संबंधित शासनादेश सहित पुनः प्रस्तुत किया जाये।
40	परिषद में कार्यरत ड्राईवर्स को डैवीइयुटी रणान्त रु0 60/- से स्थान पर रु0 100/- दिए जाने के सम्बन्ध में।	1/40/92	प्रस्ताव सर्वसम्मति से इस शर्त के अधीन स्वीकृत किया गया कि इन्हें कोई ओवर टाइम न दिया जाता हो।
41	गुण नियंत्रण को0, प्रथम, तृतीय एवं चतुर्थ हेतु वाहन/टेलीफोन की स्वीकृति के संबंध में।	1/41/92	शासन के हाल ही में जारी किये गये भिन्नव्यता संबंधी आदेशों को ध्यान में रखते हुये प्रस्ताव स्थगित किया गया।
42	श्री एस0पी0 शर्मा, वास्तुविद् नियोजक को कार अग्रीम के सम्बन्ध में।	1/42/92	विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
43	शु0पु0 शिक्षा मंत्री श्री अशोक बाजपेयी को जी0पी0त गु0आओ भवन सं0-10/14 के मूल्य निर्धारण के सम्बन्ध में।	1/43/92	विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव अस्वीकृत किया गया।
44	इन्दिरानगर यो0-देहरादून के अंतर्गत श्री एस0के0भदूर को आवंटित भूखंड सं0-165 के अनिर्माण शुल्क के सम्बन्ध में।	1/44/92	अनिर्माण अवधि के संबंध में शासन स्तर पर नीति निर्धारित की जा रही है। तदनुसार प्रस्ताव स्थगित किया गया।
45	श्री शिव प्रसाद अवस्थी को परिषद की रा0पु0यो0, लखनऊ में आवंटित गु0आओ भवन सं0-ए-36 के विरुद्ध देय दण्ड ब्याज के सम्बन्ध में।	1/45/92	विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव अस्वीकृत किया गया।
46	इन्दिरानगर यो0-लखनऊ के अंतर्गत श्रीमती रुमादेवी को आवंटित गु0आओ भवन सं0-19/65 के अवशेष धनराशि को किरातों में करने के सम्बन्ध में।	1/46/92	विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
47	इंजीनियर एस00 को इ0स0पु0		

1	2	3	4
48	इन्दिरानगर यो-लखनऊ में अ०आ०व० भवन सं०-14/777 के सम्बन्ध में।	1/48/92	विचार विमर्श के उपरान्त दृष्टि ब्याज एवं विकल्प परिवर्तन शुल्क को देय क्विर्ता के साथ ही लिया जाना स्वीकृत किया गया।
49	परिषद् की इ०न०यो०-लखनऊ के अंतर्गत लेखा सभ के पक्ष में अ०आ०व० भवन आवंटित करने के सम्बन्ध में।	1/49/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
50	परिषद् की दिल्ली रोड यो-हरिद्वार में स्थित व्यावसायिक भू०सं०-6 की विक्रय अनुमति के सम्बन्ध में।	1/50/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। भविष्य के लिए यह अधिकार आवात आसुक्त को प्रतिनिधित्वित किया गया।
51	दमहमाकोठी ज़िगर बिहार सुरादाबाद में विदेशी मुद्रा की वरीयता पर आवंटित अ०आ०व० भवन सं०-ए-27 के विक्रय आंशिक भुगतान भारतीय मुद्रा में स्वीकार करने संबंधी श्रीमती मधु जैन की प्रार्थना।	1/51/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
52	रा०प०यो० के सं०-10 एवं 13 से गुजर रही विधुत लाइन हटाने के संबंध में।	1/52/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
53	उ०प०राजकीय निर्माण निगम की कार्य प्रणाली के आधार पर परिषद् में विभागीय प्रति प्रति पर निर्माण एवं विकास तथा डिप्लॉ-पिड कार्यों के संचालन के संबंध में।	1/53/92	विशेष सचिव, वित्त/प्रबन्ध निदेशक, जल निगम के प्रतिनिधि एवं मुख्य अभियन्ता की उपस्थिति इस प्रस्ताव का अध्ययन करके निर्णय ले ले जिसके अनुसार कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जाये और निर्माण परिषद् के समक्ष अवलोकनार्थ प्रस्तुत करें।
54	खून के रिक्तों में पंजीकरण परिवर्तन।	1/54/92	विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया कि इस विषय में पुनः संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाये।
55	पूर्व पंजीकृत व्यक्तियों से वर्तमान में पंजीकरण की अन्तर की धनराशि जमा कराने के सम्बन्ध में।	1/55/92	विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
56	रामघाट रोड भूमि विकास एवं गृहस्थान यो०अलीगढ़ में सीमाविष्ट भेजर एवं०के०तिह की भूमि संसरा सं०-105 ग्राम-क्वारसी के समायोजन के सम्बन्ध में।	1/56/92	विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव वापस किया गया।
57	परिषद् द्वारा अ०आ०व० एवं अ०आ०व० के भवनों में समाविष्ट भूमि के मूल्य पर देय 30% एवं 15% की छूट के संबंध में।	1/57/92	विचार विमर्श के उपरान्त निर्णय लिया गया कि छूट केवल अ०आ०व० में भूमि पर ही दी जाये। दि० 24.12.88 से पूर्व की भूमि मूल्यांकन में क्रास सवसिडी हेतु संशोधन किया जाय।
58	कानपुर की यो०सं०-1 व 3 का नामांकन।	1/58/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
59	प्रादेशिक पृष्ठ प्रदर्शनी माह फरवरी, 1992 के आयोजन हेतु परिषद् द्वारा अनुदान।	1/59/92	— तदैव —
60	व्यावसायिक अखण्डों में बेसमेन्ट की स्वीकृति तथा आवासीय तथा कार्यालय प्रयोग अनुमत्य करने के सम्बन्ध में परिषद् द्वारा नियुक्त समिति की बैठक दि० 26 अक्टूबर, 1991 की संस्तुति की स्वीकृति।	1/60/92	— तदैव —

1	2	3	4
61	परिषद तकनीकी सहायक/तकनीकीसहायक/सेब हज़ारों वर्ग के सेवा विनियमावली की स्वीकृति के सम्बन्ध में।	1/61/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से स्थापित किया गया।
62	आवृत्तिक संवर्ग को सम्पत्ति प्रबन्धक सेवा विनियमावली में सम्मिलित किए जाने के सम्बन्ध में।	1/62/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
63	श्री अनिल कुमार मेहरोत्रा को दमदमाकोठी जिला विहार, मुरादाबाद के अंतर्गत विदेशी भूदा में प्रॉपर्टी डेवेलपमेंट भवन सं०-ए-30 के विरुद्ध देय अवरोध धराराशि का भूगतान भारतीय भूदा में स्वीकार किए जाने के सम्बन्ध में।	1/63/92	विचार विमर्श के उपरान्त निर्णय लिया गया कि निर्धारित की जा चुकी शर्तों में कोई परिवर्तन किया जाना सम्भव नहीं है।
64	परिषद की कलानगर आवासीय यो०-आगरा के से०-7 "ए" ब्लॉक में निर्मित 224 दो मंजिले हुए भवनों में से 96 नए भवनों में व्याप्त अवरोधों के सम्बन्ध में।	1/64/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
65	इनोवेटिव विस्तार यो०, लखनऊ के से०-12 में प्रस्तावित 3 नए दुकानों के निर्माण हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत करने के सम्बन्ध में।	1/65/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
66	संजय विहार यो० सं०-2 हापड़ में प्रस्तावित 8 नए दुकानों के निर्माण हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत करने के सम्बन्ध में।	1/66/92	— तदैव —
67	परिषद की रा०प० यो०-लखनऊ के से०-13 में प्रस्तावित 13 नए दुकानों के निर्माण हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत करने के सम्बन्ध में।	1/67/92	— तदैव —
68	सहायक शारदाडी यो०-गोरखपुर में 16 नए दुकानों के निर्माण हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।	1/68/92	— तदैव —
69	यो० सं०-10, मेरठ के से०-3 में चतुर्थ हड़को परियोजना के अंतर्गत निर्माणधीन 680 नए दुकानों के निर्माण हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत करने के सम्बन्ध में।	1/69/92	— तदैव —
70	कलानगर योजना के भवन सं०-एफ-317 म०प० सं० 940 प्रकार में मरम्मत कार्य की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत करने के सम्बन्ध में।	1/70/92	विचार विमर्श के उपरान्त निर्णय लिया गया कि क्योंकि अधीक्षण अभियन्ता को दूसरा भवन उपलब्ध करा दिया गया। अतः स्टाफ क्वार्टर के रूप में आरक्षित इस भवन को परिषद की सामान्य नीति के अनुसार जहाँ है जैसी है के आधार पर नीलामी द्वारा निस्तारित कर दिया जाये।
71	वास्तुकला एवं नियोजन अनुभाग में नये पदा का सृजन।	1/71/92	मुख्य नगर एवं ग्राम्य नियोजक, विशेष सचिव, वित्त एवं मुख्य वास्तुविद् नियोजक की उपसमिति गठित की गई जो इस विषय में विचार विमर्श करके सन्तुष्टि प्रस्तुत करेंगी।
72	आवास एवं विकास परिषद की सितारगंज भास विकास एवं महस्थान योजना, नैनीताल की परित्याग किए जाने के सम्बन्ध में।	1/72/92	विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

1	2	3	4
१७३	गृहकार्यमंडल की अनुमति से अन्य कोई विषय।	1/१७३/९२	
१११	परिषद की सिकन्दरा यो०-आगरा के से०-४ हेतु पेयजल की व्यवस्था आगरा जल सन्धान से कराये जाने के सम्बन्ध में।		विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
१२१	शाहपुर भूमि विकास एवं गृहस्थान यो० सं०-७, गोरखपुर में समाविष्ट श्रीमती विद्या बागेश्वरी देवी द्वारा संचालित श्रीमती इन्दिरा गांधी धर्मार्थ आषा-घालय, गोरखपुर की भूमि का आवंटन किए जाने के सम्बन्ध में।		विचार विमर्श के उपरान्त प्रस्ताव अस्वीकृत किया गया।
१३१	इन्दिरानगर, प्रथम विस्तार यो०, लखनऊ में स्थित खसरा सं०-३०, ग्राम-इस्माइलपुर की आंशिक भू-भाग को व्यवसायिक दरा पर आवंटित करने के सम्बन्ध में।		विचार विमर्श के उपरान्त निर्णय लिया गया कि इस प्रकरण में स्पष्ट तस्तुति सहित प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाये।
१४१	परिषद के विस्तृत कार्यक्षेत्र एवं बड़े हुए कार्यकलापों विशेष कर निर्माण एवं विकास कार्यों पर प्रभावी नियंत्रण एवं सुनियोजित कार्यान्वयन हेतु परिषद में अधिवासी अभि० विधायक/यात्रिकों के दो स्वीकृत पदों पर पदोन्नति एवं सहायक अभियंता के ३३ पदों पर सीधी भर्ती करने की स्वीकृति प्रदान करने के सम्बन्ध में।		परिषद द्वारा विचार विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्ताव का अवलोकन किया गया।
१५१	उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद द्वारा अधिग्रहीत एवं विकसित भूमि में से सहकारी आवास समितियों को भूमि/भूखण्ड उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में।		दि० १९.११.९१ को संदर्भित गुपडाउसिंग के अतिरिक्त सामान्य सहकारी आवास समितियों पर भी जागू किए जाने के आदेश शासन द्वारा जारी किये जा रहे हैं। अतः पृथक से परिषद द्वारा कोई व्यवस्था किये जाने की आवश्यकता नहीं है।
१६१	परिषद की गाजियाबाद यो० सं०-३ में समाविष्ट ग्राम-साहिबाबाद की भूमि खसरा सं०-६७५, ६७६, ६७१, ६७४, ६८७ एवं ६६८ को श्री मोती लाल गोयल के आवेदन के अनुसार अर्जनमुक्त करने के सम्बन्ध में।		विचार विमर्श के उपरान्त निर्णय लिया गया कि ऐसे मामलों में एकरूपता के दृष्टि-कोण से जिस तरह इस प्रकरण के समकक्ष अन्य प्रकरणों में निर्णय लिया गया है, उसी के अनुरूप आवास आसुक्त विधि एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विचार कर अपने स्तर से निर्णय लेंगे, इस बात को देखते हुए कि परिषद के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और साथ ही पार्थी की समस्या का समाधान भी हो जाय।
१७१	अन्य निर्देश।		१०१ परिषद में निर्मित सम्पत्तियों के निस्तार-रफा की स्थिति पर एक विस्तृत नोट अगली बैठक में परिषद की जानकारी हेतु प्रस्तुत किया जाय। १०२ मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी परिषद की जानकारी हेतु अगली बैठक में परिषद में कैश-फ्लो के बारे में एक टिप्पणी प्रस्तुत करें। १०३ वित्त एवं प्रशासनिक स्वीकृति के मामले बाह्य-सरकुलेशन अनुमोदनोपरान्त परिषद के अवलोकनार्थ प्रस्तुत किए जाते हैं, क्योंकि इस प्रकार के प्रकरणों का काफी अधिक संख्या में होते हैं, प्रत्येक प्रकरण की पृथक टिप्पणी के अतिरिक्त एक तालिका के रूप में सभी प्रस्तावों के मुख्य-मुख्य विवरण सहित प्रस्तुत की जाया करें।

पुष्टि खा गया